

में वनूंगा सरपंच
महाराष्ट्र के कर्मचारी की रिटायरमेंट
वर्क फ्रंट का दिनांक मंगल परिवर्तन

6 अभिमत
आर्थिक रूप से गरीबों
के प्रति व्याप

9 देश/विदेश
जोता में जोता हवाई जहाज का
लोकार्पण जलवायु और पर्यावरण

11 विविध
जिनेन्द्रिय में पाठ्यक्रम को
परिष्कार देना वहीं है जरूरी

ISSN NO: 1479-0820/2018/75109
पृष्ठ: 12
कोलकाता, मुंबई, 25 नवंबर, 2022
आ. 12, पृष्ठ 12 एवं
आ. 12/2022



करीबान, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

प्रायोज्यर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए You Tube चैनल काइज करें Pioneer Haryana



वनडे विश्वकप की
तैयारियों की शुरुआत
करेगा भारत

पेज - 12

चौथे दिन चारु मल्होत्रा ने दिया मुख्य वक्तव्य

फरीदाबाद। अग्रवाल महाविद्यालय में चल रही राष्ट्रीय स्तरीय सात दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम-समग्र कल्याण प्रबंधन के चौथे दिन आन्ट्र प्रनरीअल एंड वोकेशनल वैलनेस पर एक ज्ञानवर्धक वक्तव्य आयोजित किया गया। अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देश में समग्र विकास और कल्याण प्रबंधन पर राष्ट्रीय स्तरीय सात दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। प्राचार्य डॉ. कृष्ण कांत गुप्ता के द्वारा समग्र कल्याण प्रबंधन विषय पर इस सात दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम का शुभारंभ 21 नवंबर को किया गया। सत्र की मुख्य वक्ता चारु मल्होत्रा (कॉरपोरेट स्पीकर, एलुमना (आईआईटी दिल्ली)) ने एंटरप्रनरीअल एंड वोकेशनल वैलनेस के विषय में प्रतिभागियों को विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि उद्यमिता एवम् व्यावसायिकता में कल्याण का उद्देश्य कार्यस्थल पर कर्मचारी व उद्यमी को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य, सुरक्षा, संतुष्टि और सामाजिक खुशहाली और जीवंत वातावरण महसूस कराना है। उद्यमिता तथा व्यावसायिक कल्याण मानव कार्य, कार्यस्थल एवं कार्य वातावरण से संबंधित है। अपने कार्य, कैरियर, जॉब और कार्य वातावरण से खुश होना बहुत आवश्यक है। अंत में प्रतिभागियों ने व्याख्यान के विषय से जुड़े अनेक प्रश्न पूछे, सभी जिज्ञासाओं का मुख्य वक्ता चारु मल्होत्रा ने समाधान किया। व्याख्यान धन्यवाद ज्ञापन से समाप्त हुआ। कार्यक्रम में कुल लगभग 150 प्रतिभागियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। यह कार्यक्रम संयोजक डॉ. मनोज शुक्ला, समन्वयक डॉ. शिल्पा गोयल, डॉ. इनायत चौधरी की देखरेख में आयोजित किया गया और तकनीकी समन्वयक डा. विनीत नागपाल का भी विशेष सहयोग रहा।